दैनिक
विश्वनाथ समाचार
RNI NO. MPHIN/25/A4357
संदीप परमार (सेन)
(प्रधान संपादक)
मो. 9755161156
www.vishwanathsamachar.com | इंदौर, मंगलवार 10 नवम्बर 2026 | वर्ष 1 | कुल पृष्ठ : 8 | DIGITAL EDITION

नशे में धुत्त योद्धा उतरे हिंगोट युद्ध के मैदान में,

पुलिसकर्मियों से मारपीट और अव्यवस्थाओं की भी आईं शिकायतें, इस बार निर्धारित समय से पहले थमा युद्ध; नशे के चलते फीका पड़ा सदियों पुरानी परंपरा का रोमांच



संदीप परमार (सेन)
प्रधान संपादक-9755161156
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

गौतमपुरा। दीपावली के दूसरे दिन गौतमपुरा में आयोजित परंपरागत हिंगोट युद्ध इस बार अपने रोमांच और शौर्य से ज्यादा विवादों और अव्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में रहा। रुणजी और गौतमपुरा गांव के बीच सदियों से चली आ रही इस अनूठी परंपरा में इस बार नशे का ऐसा असर देखने को मिला कि कई योद्धा अपनी मर्यादाएं और सुरक्षा के नियम तक भूल गए। युद्ध मैदान में शराब के नशे में धुत्त योद्धाओं के उतरने, बिना ढाल के हिंगोट चलाने और पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की घटनाओं की चर्चाओं ने आयोजन की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए। कुल मिलाकर, नशे के कारण हिंगोट युद्ध का पारंपरिक रोमांच काफी हद तक किरकिरा हो गया। इस बार आयोजन से पहले यह तय किया गया था कि शराब के नशे में आने वाले किसी भी व्यक्ति को हिंगोट युद्ध में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसके बावजूद मैदान में बड़ी संख्या में योद्धाओं के नशे की हालत में पहुंचने की बात सामने आई। इतना ही नहीं, कुछ योद्धा बिना ढाल के ही युद्ध में शामिल हो गए, जबकि हिंगोट युद्ध में ढाल सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जाती है। युद्ध मैदान में पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट और झूमाझटकी की घटनाओं की जानकारी भी सामने आई है। इन परिस्थितियों ने आयोजन की सुरक्षा व्यवस्था और प्रवेश नियंत्रण की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े किए हैं।

निर्धारित समय से पहले थमा युद्ध

अमूमन हिंगोट युद्ध शाम 7 बजे तक चलता है, लेकिन इस बार युद्ध का समय अपेक्षाकृत कम रहा। नशे में धुत्त योद्धाओं के व्यवहार और मैदान में पैदा हुई परिस्थितियों के चलते आयोजन का पारंपरिक उत्साह प्रभावित हुआ। जिस आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं, वहां इस बार शौर्य और परंपरा के बजाय अव्यवस्थाएं चर्चा का विषय बन गईं।

परंपरा की मर्यादा तार-तार



विधायक ने की प्रशासनिक व्यवस्थाओं की सराहना

देपालपुर विधायक मनोज पटेल ने हिंगोट युद्ध को परंपरा के नाम पर खेला जाने वाला आयोजन बताते हुए प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने अनधिकृत रूप से मैदान में प्रवेश करने वाले लोगों पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे लोग इस परंपरागत युद्ध को बदनाम करना चाहते हैं।

एसडीएम बोले- नशे में प्रवेश को लेकर पुलिस और आबकारी विभाग से लेंगे जानकार

देपालपुर एसडीएम चरणजीत सिंह हुड्डा ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से मैदान में बैरिकेडिंग की गई थी। दर्शकों की सुरक्षा के लिए बड़ी-बड़ी जालियां लगाई गई थीं। मंच के दाईं ओर भी बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई थी, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित न हो। वहीं, नशे में धुत्त योद्धाओं के मैदान में प्रवेश करने के सवाल पर एसडीएम ने कहा कि इस संबंध में पुलिस और आबकारी विभाग से जानकारी ली जाएगी।

ढाई सौ से अधिक सुरक्षाकर्मी रहे तैनातदेपालपुर एसडीओपी संघप्रिय सम्राट ने बताया कि हिंगोट युद्ध की सुरक्षा व्यवस्था में ढाई सौ से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। इनमें पुलिसकर्मियों के साथ कोटवार और नगर सुरक्षा समिति के सदस्य भी शामिल थे। आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त बल लगाया गया था।

सात एंबुलेंस की व्यवस्था, 6 लोग घायल

खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विभा नागर ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से सात एंबुलेंस की व्यवस्था की गई थी। इनमें चार एंबुलेंस हिंगोट युद्ध मैदान में तैनात थीं, जबकि एक एंबुलेंस पीएचसी पर रखी गई थी। इस बार कुल छह लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है, जिनका उपचार जारी है। इसके अलावा कुछ योद्धाओं को मामूली चोटें भी आई हैं।

नगर परिषद ने किए थे सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं के इंतजाम

नगर परिषद सीएमओ मयूरी वर्मा ने बताया कि दर्शकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए युद्ध मैदान में बड़ी-बड़ी जालियां लगवाई गई थीं। इसके अलावा फायर ब्रिगेड, साफ-सफाई, पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे।

परंपरा की असली पहचान शौर्य और अनुशासन, नशा नहीं

हिंगोट युद्ध केवल दो गांवों के बीच होने वाला पारंपरिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान है। इस परंपरा की गरिमा बनाए रखने के लिए अनुशासन, आपसी सम्मान और सुरक्षा नियमों का पालन बेहद जरूरी है।

प्रशासनिक इंतजामों के बावजूद यदि नशे में धुत्त लोग मैदान में पहुंचते हैं और सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हैं

तो यह गंभीर चिंता का विषय है। सवाल यह है कि जब नशे में प्रवेश पर प्रतिबंध पहले से तय था, तो ऐसे लोगों को मैदान तक पहुंचने से क्यों नहीं रोका जा सका? हिंगोट युद्ध की परंपरा को जीवंत रखने के लिए जरूरी है कि अगले आयोजनों में केवल व्यवस्थाओं का दावा ही नहीं, बल्कि नियमों का सख्ती से पालन भी सुनिश्चित किया जाए। आखिरकार, परंपरा का गौरव नशे में नहीं, बल्कि शौर्य, साहस और अनुशासन में है।



दैनिक
विश्वनाथ समाचार
इंदौर, मंगलवार 10 नवम्बर 2026

श्री 24 अवतार मंदिर में विधि-विधान से हुआ गोवर्धन पूजन,

भगवान लक्ष्मी नारायण को लगाया 56 भोग

धोक पड़वा पर श्रद्धालुओं ने की गोवर्धन जी की परिक्रमा, जुगल चौधरी ने भगवान को भेंट की आकर्षक पोशाक

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com



देपालपुर। दीपावली पर्व के दूसरे दिन धोक पड़वा के पावन अवसर पर देपालपुर स्थित प्रसिद्ध श्री 24 अवतार मंदिर में गोवर्धन पूजा का धार्मिक आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर में भगवान लक्ष्मी नारायण का विशेष श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य पंडित राजेश शास्त्री द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक धार्मिक विधि-विधान के साथ गोवर्धन पूजन संपन्न करवाया गया। आयोजन के दौरान भगवान लक्ष्मी नारायण को छप्पन भोग अर्पित कर विशेष पूजा-अर्चना की गई। वहीं, बनेडिया निवासी जुगल चौधरी द्वारा भगवान लक्ष्मी नारायण के चरणों में नवीन पोशाक भेंट की गई। पूजन के पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा गोवर्धन जी की परिक्रमा लगाई गई तथा सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। मंदिर परिसर में पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस धार्मिक आयोजन में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा अपनी धर्मपत्नी सहित विशेष रूप से उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर धर्मलाभ लिया। गोवर्धन पूजा के इस आयोजन ने क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत करते हुए दीपावली पर्व की खुशियों को और अधिक उल्लासमय बना दिया।

धोक पड़वा पर देपालपुर क्षेत्र में जगह-जगह हुई पाड़ा लड़ाई, रोमांचक मुकाबले देखने उमड़ी भीड़



विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

देपालपुर। दीपावली के दूसरे दिन धोक पड़वा के अवसर पर देपालपुर क्षेत्र में पारंपरिक पाड़ा लड़ाई का आयोजन विभिन्न स्थानों पर किया गया। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों सहित देपालपुर नगर में भी पाड़ों के बीच जोरदार मुकाबले देखने को मिले। पारंपरिक आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं आसपास के क्षेत्रों से लोग पहुंचे। देपालपुर नगर के इंदौर रोड पर भी पाड़ा लड़ाई का आयोजन हुआ, जहां मुकाबलों को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ जुटी। पाड़ों के बीच हुए मुकाबलों के दौरान दर्शकों में खासा उत्साह नजर आया। कई स्थानों पर पाड़ों के बीच जोरदार भिड़ंत हुई, जिसे देखने के लिए लोग काफी देर तक मैदान के आसपास डटे रहे। दीपावली के दूसरे दिन धोक पड़वा पर पाड़ा लड़ाई आयोजित करने की परंपरा ग्रामीण अंचलों में लंबे समय से चली आ रही है। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष भी देपालपुर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर आयोजन हुए। पूरे क्षेत्र में दिनभर इस पारंपरिक आयोजन को लेकर उत्साह का माहौल बना रहा।

गौपालन कार्यक्रम के विजेताओं को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं विधायक मनोज पटेल ने वितरित किए पुरस्कार व चेक

देपालपुर। गत दिनों गांव में पशुपालन विभाग द्वारा आयोजित गौपाल कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सोमवार को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं देपालपुर विधायक मनोज पटेल द्वारा चयनित हितग्राहियों को पुरस्कार स्वरूप सम्मान एवं चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान गौपालन एवं पशुपालन के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले पशुपालकों को प्रोत्साहित किया गया। मुख्यमंत्री एवं विधायक द्वारा सम्मानित किए जाने पर लाभार्थियों में उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य पशुपालन को बढ़ावा देना, गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रेरित करना रहा। इस पहल से पशुपालन के क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही अन्य पशुपालकों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।



बच्चों की कामयाबी पर फख्र, नई नस्ल देश सेवा में भी आगे आए : कमांडर जीशान फारुकी



विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। हजरत अब्दुल कादर सोशल एंड वेलफेयर संगठन की ओर से अपना खानदान के बैनर तले ग्रीन पार्क में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

जिसमें दसवीं-बारहवीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों सहित डॉक्टर, इंजीनियर, खिलाड़ी और रंगमंच की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में काजी-ए-शहर अबू रेहान फारुकी ने बच्चों की कामयाबी पर फख्र जताते हुए शहर में अमन की दुआ की, वहीं कमांडर जीशान फारुकी ने नौजवानों से डॉक्टर-इंजीनियर बनने के साथ देश सेवा और जन सेवा में भी आगे आने का आह्वान किया।

खेतलपुर नाले से सिंचाई के लिए लगाई गई चार मोटरों पर जिला प्रशासन की कार्रवाई

एक मोटर जब्त, तीन मोटरों की केबल काटकर की गई कार्रवाई

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

रतलाम। खेतलपुर नाले से सिंचाई के लिए किसानों द्वारा लगाई गई मोटरों के संबंध में प्राप्त शिकायत के आधार पर जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई। प्रभारी अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती सविता राठौर ने बताया कि खेतलपुर नाले पर सिंचाई के लिए लगाई गई चार मोटरों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के दौरान एक मोटर जब्त की गई, शेष तीन मोटरों की केबल काटी गई। उक्त कार्रवाई विद्युत विभाग के सहयोग से संपन्न की गई।





श्री महाकालेश्वर मंदिर की गौशाला में गोवर्धन पूजन किया गया

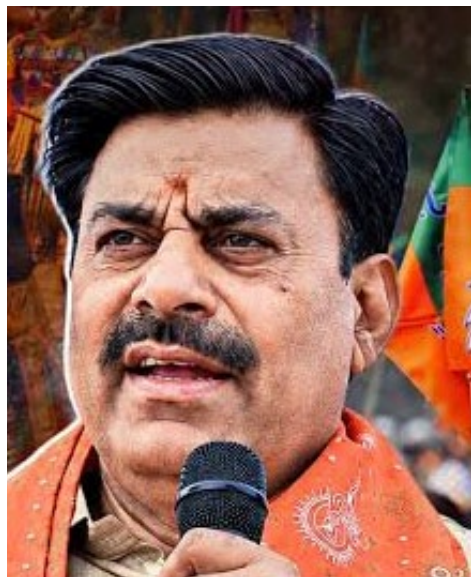
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति, उज्जैन द्वारा संचालित चिंतामण जवासिया स्थित गौशाला में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गोवर्धन पूजन विधि-विधानपूर्वक संपन्न किया गया। पूजन श्री महाकालेश्वर मंदिर की महिला कर्मचारियों द्वारा श्रद्धापूर्वक किया गया। गोवर्धन पूजन के



उपरांत वर्षों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन करते हुए गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा के प्रतीक रूप में गोमाताओं को गोवर्धन के ऊपर से चलाया गया। इस अवसर पर गौशाला की सभी गौमाताओं को मोरपंख, मेहंदी, एवं अन्य अलंकरणों से आकर्षक रूप से श्रृंगार किया गया। पूरे परिसर में धार्मिक वातावरण और उत्सवमय दृश्य देखने को मिला।

'कांग्रेस के दिमाग में सिर्फ ईद बसी है



भोपाल। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा दीपावली को 'खुशियों की ईद' बताने वाले बयान पर मध्य प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। भोपाल की हुजूर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (BJP) के वरिष्ठ विधायक रामेश्वर शर्मा ने कांग्रेस आलाकमान पर जोरदार पलटवार किया है। उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के दिमाग में सिर्फ 'ईद' बसी हुई है, जिसके चलते वह दीपावली जैसे महापर्व, मां लक्ष्मी की आराधना और भारतीय सनातन संस्कृति व समृद्धि के त्योहार को पूरी तरह भूल चुकी है।

अबोध बालक" के चलते गर्त में गई कांग्रेस

विधायक रामेश्वर शर्मा ने कांग्रेस नेतृत्व को आड़े हाथों लेते हुए राहुल गांधी पर भी करारा तंज कसा। रामेश्वर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के भीतर मुस्लिम पक्ष को इतनी तेजी से एक "अबोध बालक" ने हावी किया है कि पार्टी पूरी तरह गर्त में चली गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले राहुल गांधी की नीतियों के कारण कांग्रेस कमजोर हुई, और अब पार्टी के वरिष्ठ व अनुभवी नेताओं की बची-खुची समझ भी खत्म हो चुकी है।

दसाई में परंपरागत रूप से मनाया गया गाय गोहरी पर्व

मन्नतधारियों के ऊपर से निकाली गईं गायें

दीपावली के दूसरे दिन पड़वा पर निभाई गई वर्षों पुरानी परंपरा, बड़ी संख्या में ग्रामीण रहे मौजू



जीवन डोडिया
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

धार। दीपावली के दूसरे दिन पड़वा के अवसर पर धार जिले के दसाई में पारंपरिक गाय गोहरी पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के तहत मन्नतधारियों ने जमीन पर लेटकर अपने ऊपर से गायों को निकलवाया। आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और धार्मिक परंपरा



के साक्षी बने। गाय गोहरी पर्व के दौरान मन्नतधारी निर्धारित स्थान पर जमीन पर लेट गए। इसके बाद गायों को उनके ऊपर से निकाला गया। मान्यता के अनुसार मनोकामना पूरी होने पर श्रद्धालु दीपावली के अगले दिन पड़वा पर इस परंपरा का निर्वहन कर अपनी मन्नत उतारते हैं। आयोजन के दौरान ग्रामीणों ने गायों की पूजा-अर्चना कर तिलक लगाया तथा सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। धार्मिक मान्यताओं में गाय को माता का स्वरूप और पूजनीय माना गया है। इसी आस्था से जुड़ी गाय गोहरी की परंपरा ग्रामीण अंचलों में पीढ़ियों से चली आ रही है। दसाई में भी प्रतिवर्ष दीपावली के दूसरे दिन इस पर्व का आयोजन किया जाता है। खास बात यह है कि समय के बदलाव के बावजूद ग्रामीणों में इस परंपरा के प्रति आस्था और उत्साह बना हुआ है। नई पीढ़ी भी इस पारंपरिक आयोजन से जुड़कर अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ा रही है।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, मंगलवार 10 नवम्बर 2026

उज्जैन-जावरा स्टेट हाईवे पर भीषण हादसा
बाइक सवार युवक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

वैन की टक्कर से बाइक में लगी आग, घायल युवक कुएं में गिरा; एंबुलेंस की देरी पर ग्रामीणों ने दो घंटे किया चक्काजाम

तीन दिन में बेड़ावन्या के दुर्घटना संभावित पाइंट को ब्लैक स्पॉट घोषित कर सड़क चौड़ीकरण नहीं किया तो पूर्व विधायक दिलीपसिंह शेखावत ग्रामीणों के साथ करेंगे चक्काजाम

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

नागदा। उज्जैन-जावरा स्टेट हाईवे एक बार फिर दर्दनाक सड़क हादसे का गवाह बना। सोमवार शाम करीब 6:30 बजे बेड़ावन्या गांव के समीप वैन और बाइक के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक में आग लग गई और वैन भी पलटी खा गई। हादसे के दौरान घायल युवक उछलकर बिना मुंडेर वाले कुएं में जा गिरा। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों और राहगीरों ने मशक्कत कर उसे कुएं से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद मौके पर जुटे ग्रामीणों में उस समय आक्रोश फैल गया, जब सूचना देने के बावजूद 108 एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची। एंबुलेंस की देरी और हाईवे पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं से नाराज ग्रामीणों ने उज्जैन-जावरा स्टेट हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और करीब दो घंटे तक यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा। पूर्व विधायक दिलीपसिंह शेखावत और नायब तहसीलदार जीएस परिहार के आश्वासन के बाद रात करीब 8:30 बजे ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया।

टक्कर के बाद कुएं में जा गिरा युवक

जानकारी के अनुसार नागदा के बिरलाग्राम सी ब्लॉक निवासी 26 वर्षीय गजानंद पिता हितेंद्र और उद्योग की मल्टी निवासी 23 वर्षीय नीरज पिता संतोष बाइक से घिनौदा की ओर से आ रहे थे। इसी दौरान बेड़ावन्या के समीप उनकी बाइक की वैन से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में वैन पलटी खा गई और बाइक में आग लग गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि गजानंद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नीरज उछलकर पास ही स्थित बिना मुंडेर वाले कुएं में जा गिरा।







पूर्व विधायक दिलीपसिंह शेखावत और नायब तहसीलदार जीएस परिहार के आश्वासन के बाद रात करीब 8:30 बजे ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया।

घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा नेता लखन गुर्जर सहित ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे। उन्होंने कुएं में गिरे नीरज को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद एंबुलेंस को सूचना दी गई, लेकिन काफी देर तक एंबुलेंस नहीं पहुंचने से ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा।

एंबुलेंस की देरी से भड़के ग्रामीण, हाईवे पर लगाया जाम

हादसे के बाद घायल को समय पर उपचार नहीं मिलने की आशंका और एंबुलेंस की देरी से नाराज ग्रामीणों ने हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। सूचना पर खाचरौद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल नीरज को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मंडी थाना प्रभारी अमृतलाल गवरी भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। बाद में पूर्व विधायक दिलीपसिंह शेखावत मौके पर पहुंचे। उन्होंने नायब तहसीलदार जीएस परिहार से चर्चा कर दुर्घटना संभावित स्थल को ब्लैक स्पॉट घोषित करने और सड़क चौड़ीकरण की मांग रखी। अधिकारियों की ओर से आश्वासन मिलने के बाद रात करीब 8:30 बजे ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त किया।

तीन दिन में ब्लैक स्पॉट घोषित करें, वरना हम करेंगे चक्काजाम : शेखावत

मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक दिलीपसिंह शेखावत ने बेड़ावन्या के समीप लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इस स्थान पर पूर्व में भी कई गंभीर हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने प्रशासन से इस पाइंट को ब्लैक स्पॉट घोषित करने के साथ सड़क चौड़ीकरण कराने की मांग की। शेखावत ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि तीन दिन के भीतर इस दुर्घटना संभावित स्थल को ब्लैक स्पॉट घोषित कर आवश्यक सुधार कार्य शुरू नहीं किया गया तो वे स्वयं ग्रामीणों के साथ सड़क पर उतरकर चक्काजाम करेंगे।

दीपावली मनाने दिल्ली और उत्तर प्रदेश से आए थे दोनों युवक

हादसे में जान गंवाने वाले गजानंद और घायल नीरज के परिजन नागदा में ही निवास करते हैं, जबकि दोनों युवक रोजगार और पढ़ाई के सिलसिले में बाहर रह रहे थे। दोनों दीपावली का पर्व मनाने कुछ दिन पहले ही नागदा आए थे। जानकारी के अनुसार गजानंद ग्रेसिम उद्योग में ठेकेदारी का कार्य करता था। किसी मामले में बिरलाग्राम थाने में प्रकरण दर्ज होने के बाद उसके पिता ने उसे उत्तर प्रदेश भेज दिया था। वह कुछ समय पहले ही दीपावली मनाने नागदा लौटा था। वहीं नीरज दिल्ली में रहकर पढ़ाई के साथ नौकरी भी कर रहा था। वह भी दीपावली से तीन-चार दिन पहले ही नागदा आया था। परिजनों के मुताबिक सोमवार शाम दोनों युवक बाइक लेकर घर से निकले थे, लेकिन बेड़ावन्या के समीप हुआ हादसा परिवारों के लिए दीपावली की खुशियों को मातम में बदल गया।

मंडलेश्वर के नर्मदा घाट पर दर्दनाक हादसा,
गहरे पानी में डूबने से 15 वर्षीय किशोरी की मौत

जीजा के साथ नर्मदा स्नान करने पहुंची थी किशोरी, दीपावली पर मामा के घर आई थी; परिवार में पसरा मातम

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

मंडलेश्वर। दीपावली के त्योहार के बीच मंडलेश्वर के नर्मदा घाट पर एक दर्दनाक हादसा सामने आया। यहां जीजा के साथ नर्मदा स्नान करने पहुंची 15 वर्षीय किशोरी की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतिका की पहचान काशी पिता सुरेश विश्वकर्मा



(15 वर्ष) के रूप में हुई है। किशोरी मूल रूप से इंदौर जिले की निवासी थी और दीपावली के अवसर पर अपने परिवार के साथ मामा के घर ग्राम गुलावड़ आई हुई थी। इसी दौरान वह अपने जीजा के साथ मंडलेश्वर स्थित नर्मदा घाट पर स्नान करने पहुंची थी। बताया जा रहा है कि स्नान के दौरान किशोरी गहरे पानी में चली गई और डूबने से उसकी मौत हो गई।



उत्तम नगर में बिजली कटौती से बेहाल लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली का दमघोंटू प्रदूषण अब सिर्फ सड़कों पर नहीं, बल्कि बिजली कटौती के बहाने अब बेडरूम और किचन तक पहुंच चुका है।

सर्दियों की दस्तक के साथ ही पश्चिमी व पूर्वी उत्तम नगर क्षेत्र में शुरू हुई अघोषित बिजली कटौती ने स्थानीय लोगों को कुएं और खाई जैसी स्थिति में ला खड़ा किया है।

स्थिति यह है कि अगर बिजली से बचने के लिए दरवाजे खोलें तो जहरीली हवा फेफड़ों में जाती है, और अगर बंद रखें तो दिवाली के त्योहार में भी घरों में अंधेरा पसर जाता है। पहले भी इस मुद्दे को समय-समय पर उठाया गया है लेकिन समस्या अभी भी बरकरार है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली कटौती का कोई निश्चित समय नहीं है। रोजाना दो करीब घंटे तक बिजली गुल रहती है। शुक्रवार यानी धनतेरस के दिन उत्तम नगर स्थित दाल मिल रोड इलाके में करीब दो घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

वहीं, जैन कालोनी पार्ट-एक, संडे बाजार, सोम बाजार, बुध बाजार और आसपास के क्षेत्रों में भी लगातार कटौती हो रही है। निवासियों के अनुसार, गुरुवार को सुबह 40 मिनट व शनिवार (छोटी



दिवाली) के दिन भी लगभग डेढ़ घंटे तक बिजली नहीं रही। लोगों का कहना है कि प्रदूषण के इस मौसम में घरों को बंद रखना जरूरी है, लेकिन बिजली जाने पर अंधेरे के कारण दरवाजे खोलने पड़ते हैं। इससे घर के भीतर भी प्रदूषित हवा पहुंचने की चिंता बनी रहती है।

त्योहारी बजट में शामिल हुआ इन्वर्टर

त्योहारी सीजन में बिजली कटौती ने लोगों की खरीदारी की प्राथमिकता भी बदल दी है। धनतेरस पर जहां लोग सोने-चांदी और बर्तनों की खरीदारी करते हैं, वहीं कुछ परिवार इन्वर्टर और पावर बैकअप पर खर्च किया।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि गर्मियों में तो किसी तरह बिजली कटौती झेल ली, लेकिन त्योहारों के समय भी दो से तीन घंटे बिजली जाना मुश्किल बढ़ा रहा है।

समस्या पर क्षेत्रीय सीडीओ का पक्ष

त्योहारों के दौरान हमारी कोशिश रहती थी कि मेंटेनेंस से जुड़े कार्य न किए जाएं व बिजली आपूर्ति बाधित न हो। प्रयास कर रहे हैं कि लोगों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े। त्योहारों पर दूसरे सामान की खरीदारी से पहले अब इन्वर्टर की जरूरत महसूस हो रही है।- संतोष ठाकुर, जैन कालोनी पार्ट - एक बार-बार बिजली जाने से दैनिक कार्य, बच्चों की पढ़ाई व नौकरी जाने वालों के समय पर प्रभाव पड़ता है।

दिल्ली चावड़ी बाजार हादसा: मलबे से एक और शव मिला, मरने वालों की संख्या हुई 7 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरानी दिल्ली के चावड़ी बाजार स्थित गली शीश महल में तीन मंजिला निर्माणाधीन मकान ढहने के हादसे में रविवार को एक और शव बरामद किया गया। अब तक कुल सात लोगों के शवों को निकाला जा चुका है। वहीं, शनिवार को मलबे से दो श्रमिकों के शव बरामद हुए थे। लगातार तीसरे दिन चलाए जा रहे रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान शव मिलने के बाद हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। रविवार को मिले मृतक की पहचान लुच्चुमन मुखिया (66 वर्ष), निवासी गांव जकौली, पोस्ट बाथी, जकौली, जिला दरभंगा, बिहार के रूप में हुई है। शनिवार को मिले मृतकों में एक की पहचान बिहार के खगड़िया जिले के हनुमान नगर गांव के पंकज शर्मा के रूप में हुई है, जबकि दूसरे श्रमिक की पहचान अभी नहीं हो सकी थी। पुलिस ने दोनों शवों को एलएन अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मकान के भूतल पर अभी भी तीन से चार श्रमिकों के शव दबे होने की आशंका है। ऐसे में मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। शनिवार को भी एनडीआरएफ और नगर निगम की टीमें मलबा हटाने और उसमें दबे लोगों की तलाश में जुटी रहीं।

16 साल की मेड पर बर्बरता, कभी प्रेस से दागा तो कभी चाकू से दिए जख्म; दास्तान सुन कांप उठेगी रूह

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में शाहीन बाग के अबुल फजल एन्क्लेव स्थित एक फ्लैट की चारदीवारी के भीतर एक साल तक 16 साल की किशोरी ने खुद पर बर्बरता की कहानी सुनाई है, जिसे सुनकर किसी का



भी कलेजा कांप जाए।

किशोरी का आरोप है कि घरेलू काम में जरा सी चूक होने पर उसे गर्म प्रेस से दागा जाता था और चाकू से वार कर जख्मी किया जाता था। सुबह छह बजे से रात दो बजे तक लगातार काम कराने के बावजूद उसे भरपेट खाना तक नसीब नहीं होता था। खाने में बचा हुआ भोजन दिया जाता था।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवार की मजबूरी का फायदा उठाकर किशोरी को काम पर लगाया गया, लेकिन मेहनताना भी एकमुश्त नहीं मिला। कभी 500 तो कभी 1000 रुपये करके पूरे साल में महज 18 हजार रुपये दिए गए। तीन और चार नवंबर की रात श्रम विभाग, दिल्ली पुलिस और स्वयंसेवी संस्था की संयुक्त टीम ने उसे मुक्त कराया। मामले में आरोपित महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस और प्रशासनिक रिपोर्ट के अनुसार, घटना शाहीन बाग के अबुल फजल एन्क्लेव पार्ट-2 स्थित मकान की तीसरी मंजिल के फ्लैट की है। पीड़िता पिछले एक साल से इस मकान में आरोपी महिला सदफ के यहां घरेलू सहायक के रूप में रखी गई थी।

पीड़िता के स्वजन ने उसे काम पर रखा था, लेकिन घर के भीतर उसके साथ दरिंदगी का खेल खेला जाने लगा। छोटी-छोटी बातों पर उसे पीटा जाता था, गर्म कपड़ों की प्रेस से शरीर को दागा जाता था और चाकू से हमला कर जख्मी कर दिया जाता था। पिछले एक साल से किशोरी बाहरी दुनिया से कटी हुई इस खौफनाक कैद में हर दिन यातनाएं सहने को मजबूर थी।

किशोरी को उसकी मां से मिलने तक नहीं दिया जाता था। इसकी भनक जब एसोसिएशन फार वालंटरी एक्शन को लगी, तो उन्होंने तुरंत प्रशासन से गुहार लगाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम कालकाजी वेद प्रकाश मीणा ने तुरंत संज्ञान लिया और छापामारी की गई। टीम जब फ्लैट में दाखिल हुई, तो किशोरी की बदहवास हालत और शरीर पर चोट के निशान देखकर हर कोई दहल गया। टीम ने बिना देरी किए किशोरी को सुरक्षित रेस्क्यू किया।

रेस्क्यू के बाद किशोरी को सुरक्षित लाकर एसडीएम कालकाजी के समक्ष पेश किया गया, जहां उसका बयान दर्ज किया गया। पीड़िता की सुरक्षा को देखते हुए उसे महिला हेड कांस्टेबल की निगरानी में वन स्टाप सेंटर लाजपत नगर भेजा गया है। किशोरी का विस्तृत मेडिकल चेकअप और इलाज कराया जा रहा है। मामले में शाहीन बाग थाना पुलिस ने चार नवंबर को आरोपित महिला सदफ के खिलाफ बाल और किशोर श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 तथा बाल न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 75 (बच्चे के प्रति क्रूरता) और धारा 79 (बाल श्रम/शोषण) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

खाने के पैकेट में ड्रग्स तो किसी के पेट से निकली कोकेन... तस्करी के नए तरीके कस्टम के लिए चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। आईजीआई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर नशा तस्करी के बदलते तरीकों ने कस्टम विभाग की चुनौती बढ़ा दी है। अब तस्कर गांजे की बड़ी खेप के साथ सिंथेटिक ड्रग्स और कोकेन भी दिल्ली पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। अक्टूबर में मनीला से आए एक यात्री के पास से शील्ड खाद्य पदार्थ के पैकेट में करीब पांच किलो संदिग्ध सिंथेटिक ड्रग्स मिली, जबकि गिनी के एक नागरिक के पेट से कोकेन से भरे 70 कैप्सूल निकाले गए। इस दौरान यात्रियों और एयर कार्गो से 264.288 किलो से अधिक गांजा जब्त किया गया।

साथ ही सोने, कीमती पत्थरों और लग्जरी घड़ियों की तस्करी के मामले भी पकड़े गए। नशा तस्करी में 15 तस्कर और 4 सोना और कीमती घडिया तस्करी करते हुए गिरफ्तार हुए हैं।

कस्टम अधिकारी के अनुसार रासायनिक प्रक्रियाओं से तैयार होने वाली सिंथेटिक ड्रग्स में एमडीएमए को एक्स्टसी या मौली कहा जाता है। इसका इस्तेमाल नाइट क्लब और पार्टियों में नशे के लिए होता है, इसलिए इसे पार्टी ड्रग के रूप में जाना जाता है।



जहां गांजा में तेज गंध होता है, यह गंधहीन होते हैं और काफी कम मात्रा में भी इनका प्रभाव काफी तेज हो सकता है। कस्टम को मनीला से आए एक भारतीय यात्री से करीब पांच किलो संदिग्ध सिंथेटिक ड्रग्स मिली। इसकी अनुमानित कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई गई।

28 अक्टूबर को गिनी से अदीस अबाबा होते हुए दिल्ली पहुंचे नागरिक को पकड़ा गया था, जो अपने पेट में कोकेन से भरे 70 कैप्सूल लेकर दिल्ली पहुंचा था। जिनमें 1.068 किलो कोकेन थी, जिसकी कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई गई। 15 अक्टूबर को बैंकाक से आए कार्गो में पीयू ट्यूब के प्लास्टिक स्पूल में छिपाकर रखी 148.675 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद हुआ। इसकी कीमत करीब 52 करोड़ रुपये थी। 21-22 अक्टूबर की दरमियानी रात दूसरी खेप से 23.220 किलो गांजा मिला।

यात्रियों के सामान से भी कई खेपें पकड़ी गईं। इनमें 28 अक्टूबर को दो भारतीय यात्रियों के ट्राली बैग से बरामद 26.670 किलो गांजा शामिल है। 19 अक्टूबर को दुबई से आए यात्री के सामान के फ्लोर स्प्रिंग में छिपाई गई 3.20 किलो सोने की छड़ें मिलीं। 26 अक्टूबर को शारजाह से आए दो यात्रियों से 332 ग्राम सोने की चेन बरामद हुई।

सरकार गठन के लिए सियासी जोड़तोड़ तेज, नेतन्याहू के सहयोगियों पर आइजेनकोट की नजर

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल में नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। पूर्व सेना प्रमुख और विपक्षी नेता गादी आइजेनकोट ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सहयोगी दलों से संपर्क कर अपनी सरकार में शामिल होने का न्योता दिया है। उन्होंने इस्राइल के हालात को संवदेनशील मानते हुए कहा, 'देश गंभीर राजनीतिक और कूटनीतिक संकट से गुजर रहा है और इससे बाहर निकलने के लिए व्यापक राष्ट्रीय आपातकालीन सरकार बनाने की जरूरत है।' इस्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने रविवार (8 नवंबर) को सरकार गठन को लेकर फैसला लिया। उन्होंने आइजेनकोट को नई सरकार बनाने का आधिकारिक जिम्मा सौंपा। इसके लिए उन्हें 28 दिन का समय दिया गया है। जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति उन्हें 14 दिन का अतिरिक्त समय भी दे सकते हैं। नई सरकार बनाने के लिए संसद में 120 में से कम से कम 61 सदस्यों का समर्थन जरूरी है। आइजेनकोट ने अपनी पार्टी याशर के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन की ओर से नेतन्याहू की लिकुड पार्टी और वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच की दक्षिणपंथी पार्टी 'रिलीजियस जायोनिज्म' को भी साथ आने का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, उनकी शर्त है कि गठबंधन सरकार का नेतृत्व वह स्वयं करेंगे। आइजेनकोट ने कहा, इस्राइल ऐसी आपात स्थिति में पहुंच गया है, जहां से वापसी मुश्किल हो सकती है। राष्ट्रीय आपातकालीन सरकार बनाने की जरूरत है और इसके लिए रचनात्मक और असाधारण राजनीतिक कदम उठाने होंगे। इस्राइल में 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। आइजेनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को 48 सीटें मिलीं, जबकि नेतन्याहू के गठबंधन को 53 सीटें हासिल हुईं।

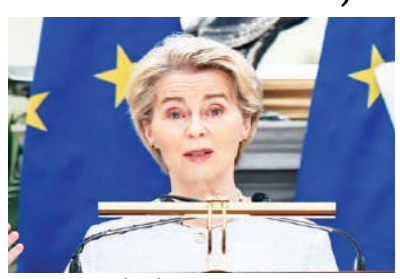


हेगसेथ को हटाने के लिए डेमोक्रेट्स लामबंद: ईरान युद्ध को लेकर महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन, महाभियोग की तैयारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों में जीत के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन पर दबाव बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। हाउस में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हकीम जेफ्रीज ने युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन किया है। उन्होंने हेगसेथ पर गंभीर कदाचार और ईरान के साथ जारी युद्ध के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया।

रविवार को एबीसी न्यूज से बातचीत में जेफ्रीज ने रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी की ओर से तैयार किए जा रहे महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'मैं हेगसेथ के खिलाफ प्रस्ताव का पूरी तरह समर्थन करता हूं।' जेफ्रीज ने बताया कि डेमोक्रेटिक सांसद मंगलवार को दोबारा संसद की बैठक शुरू होने पर इस प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे।

जेफ्रीज ने युद्ध मंत्री की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग किया है और अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर किया है। उन्होंने कहा, 'कथित रक्षा मंत्री ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है, हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर किया है और ईरान में इस गैरजरूरी और महंगे युद्ध की योजना बनाई है। इस युद्ध के कारण अमेरिकी लोगों के लिए कीमतें



बहुत बढ़ गई हैं और देश पहले से कम सुरक्षित हो गया है। पीट हेगसेथ को पद छोड़ना होगा।'

जेफ्रीज ने कहा कि जनवरी में कांग्रेस का औपचारिक नियंत्रण मिलने के बाद विपक्षी गठबंधन इस संघर्ष को खत्म करने के लिए विधायी विकल्पों पर काम करेगा। उन्होंने कहा, 'हम इस गैरजरूरी और महंगे युद्ध को खत्म करने जैसे कदम उठाना चाहते हैं, जिसने लोगों की जिंदगी को बहुत महंगा बना दिया है।' वहीं, सीएनएन के मुताबिक, हेगसेथ ने एक वीडियो बयान जारी कर महाभियोग की पहल को खारिज कर दिया। उन्होंने इसे 'व्यक्तिगत छवि खराब करने की राजनीति' बताया और कहा कि यह उनके खिलाफ कामयाब नहीं होगी। महाभियोग की मांग के साथ ही डेमोक्रेट्स ट्रंप प्रशासन के कामकाज की व्यापक संसदीय जांच की तैयारी भी कर रहे हैं। मध्यावधि चुनावों में सफलता के बाद पार्टी के नेता कार्यपालिका की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाना चाहते हैं। आगामी संसदीय सत्र में हाउस ओवरसाइट कमेटी की कमान संभालने की उम्मीद कर रहे सांसद रॉबर्ट गार्सिया ने कहा कि वह उस मामले की जांच शुरू करना चाहते हैं, जिसे उन्होंने 'ट्रंप क्राइम फैमिली' कहा। गार्सिया ने कहा, 'अब हमारे चुपचाप बैठे रहने और जवाबी कार्रवाई नहीं करने का दौर खत्म हो गया है।' इस पर ट्रंप ने आगामी संसदीय सूचनाओं और दस्तावेजों की मांगों की आलोचना की। उन्होंने इन्हें 'सबसे ऊंचे स्तर की जबरन वसूली' बताया और कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने भी चेतावनी दी कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ जवाबी आपराधिक जांच की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, डेमोक्रेटिक पार्टी के कुछ प्रगतिशील और उदारवादी नेताओं ने जांच और महाभियोग को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी है। नवनिर्वाचित सीनेटर एडम हैमिल्टन ने कहा कि उनकी दिलचस्पी महाभियोग से ज्यादा ऐसी व्यवस्थाएं बनाने में है, जो सत्ता के दुरुपयोग पर रोक लगा सकें।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, मंगलवार 10 नवम्बर 2026

साइबर ठगी का नया तरीका; खाते होल्ड होने से पहले एटीएम से कैश निकाल रहे जालसाज

भोपाल, नप्र। साइबर ठगी के मामलों में आरोपित अब ठगी की राशि को बैंक खातों में ज्यादा समय तक रखने के बजाय एटीएम के माध्यम से नकद निकाल रहे हैं, लेकिन पुलिस के लिए रकम निकालने वालों तक पहुंचना चुनौती बन गया है। दरअसल, एटीएम से नकदी निकालने वाले व्यक्ति की पहचान के लिए वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग अहम साक्ष्य होती है।

तीन माह तक ही सुरक्षित रहती रिकॉर्डिंग: बैंकों के पास यह रिकार्डिंग अधिकतम तीन माह तक ही सुरक्षित रहती है। ठगी की शिकायत मिलने, बैंक खातों का विश्लेषण करने और संबंधित एटीएम की पहचान कर फुटेज मांगने की प्रक्रिया में अकसर इतना लंबा समय लग जाता है कि तब तक रिकार्डिंग ही सुरक्षित नहीं रहती।

साइबर मुख्यालय ने इस वर्ष एटीएम से साइबर ठगी की राशि निकालने वालों की पहचान के लिए दो बार विशेष अभियान चलाया, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिली। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में इस संबंध में मात्र छह एफआइआर दर्ज हो सकीं। इसकी बड़ी वजह जांच में होने वाली देरी और सीसीटीवी फुटेज की सीमित उपलब्धता है। म्यूल (किराये के) खातों में डाली गई ठगी की राशि शिकायत मिलने पर बैंक होल्ड कर देते हैं। ऐसे में ठग कई खातों में राशि डालने के बाद अपने लोगों के माध्यम से एटीएम से नकद निकालवा लेते हैं। इसके बाद रकम किसके पास पहुंची, इसका पता लगाना और मुश्किल हो जाता है।

साइबर मुख्यालय के अधिकारियों का कहना है कि लगभग हर ठगी में कुछ राशि बाद में एटीएम से निकाली जाती है। अब हर माह की रिपोर्ट से होगी पहचान एसपी साइबर प्रणय नागवंशी के अनुसार, अब ऐसे एटीएम चिह्नित किए जा रहे हैं, जहां से साइबर ठगी की सबसे अधिक राशि निकाली गई है। इन एटीएम से संबंधित बैंकों को तीन माह से अधिक समय तक सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने के लिए कहा जाएगा।

16 नगर निगमों पर 72.51 करोड़ का बिजली बिल बकाया

इंदौर पर सबसे ज्यादा 23.71 करोड़; भोपाल दूसरे नंबर पर



भोपाल, नप्र। मध्य प्रदेश के 16 नगर निगमों पर बिजली बिल के 72 करोड़ 51 लाख 22 हजार रुपए बकाया हैं। बकाया राशि के मामले में इंदौर नगर निगम सबसे आगे है, जबकि भोपाल दूसरे नंबर पर है। इंदौर पर 23 करोड़ 71 लाख और भोपाल पर 13 करोड़ 56 लाख रुपए का बिजली बिल बकाया है। यह राशि शहरी क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट और पेयजल व्यवस्था के लिए इस्तेमाल होने वाली बिजली के बिलों की है।

सरकार की ओर से 108 करोड़ 72 लाख रुपए के बिजली बिल का भुगतान किया गया है। जिसमें 40 करोड़ 96 लाख रुपए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को दिए गए हैं। वहीं, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को 27.92 करोड़ और पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को 39.84 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने यह राशि नगरीय निकायों के बकाया बिजली बिलों के भुगतान के लिए जारी की है। इसमें नगर निगम, नगरपालिका और नगर परिषद क्षेत्र शामिल हैं।

इन क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट के जरिए शहरी इलाकों को रोशन रखने के साथ ही पेयजल सप्लाई की व्यवस्था भी की जाती है। बिजली बिल के बकाया में इन निकायों की स्ट्रीट लाइट और पेयजल सप्लाई से संबंधित राशि शामिल है। विभाग ने बिजली बिलों का भुगतान चुंगी क्षतिपूर्ति की राशि से किया है। इस भुगतान के बाद नगरीय निकायों का अक्टूबर तक का बिजली बिल चुका दिया गया है।

इन नगर निकायों पर सबसे ज्यादा बकाया: बिजली बिल के भुगतान के लिए जारी राशि में प्रदेश के बड़े शहरों के नगर निगमों पर भी बड़ी रकम बकाया थी। इसमें इंदौर नगर निगम सबसे आगे रहा। इंदौर पर 23 करोड़ 71 लाख 36 हजार रुपए, भोपाल पर 13 करोड़ 56 लाख 43 हजार रुपए और जबलपुर पर 10 करोड़ 7 लाख 72 हजार रुपए बकाया थे।

मप्र के 7 शहरों का एक्यूआई 300 पार

भोपाल सबसे प्रदूषित, 5 घंटे में दोगुना हुआ प्रदूषण; ग्वालियर-इंदौर की हवा भी जहरीली



भोपाल, नप्र। दिवाली की रात आतिशबाजी के बाद मध्य प्रदेश के कई शहरों की हवा खराब हो गई। भोपाल में सुबह 11 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स 393 दर्ज किया गया, जो 400 के गंभीर स्तर से महज 7 अंक नीचे है।

इससे पहले रात 10 बजे से सुबह 3 बजे के बीच यानी 5 घंटे में भोपाल के टीटी नगर का एक्यूआई 150 से बढ़कर 314 रहा। यानी इसमें दोगुने से ज्यादा बढ़ोतरी हुई।

आतिशबाजी के बाद ग्वालियर की भी एयर क्वालिटी काफी खराब रही। सोमवार सुबह 3 बजे दीनदयाल नगर का एक्यूआई 363 दर्ज किया गया। रात 10 बजे यह 354 था। ग्वालियर के महाराज बाड़ा में एक्यूआई 337 और सिटी सेंटर में 329 रहा।

इंदौर की छोटी ग्वालटोली में एक्यूआई 338 और मगूदा नगर में 316 दर्ज किया गया। वहीं, जबलपुर के मरहताल में यह 328 और सुहागी में 303 रहा। भोपाल के पर्यावरण परिसर में भी एक्यूआई 213 से बढ़कर 302 पहुंच गया।

इन चारों शहरों में हवा की गुणवत्ता वेरी पुअर यानी बहुत खराब श्रेणी में रही। जबलपुर में एक्यूआई 347, मंडीदीप में 318 और देवास में 308 दर्ज किया गया। इस तरह प्रदेश के सभी सात शहरों में एक्यूआई 300 के पार रहा।

10-12 सिगरेट पीने जितना नुकसान: दिवाली की रात पटाखों से निकले धुएं ने प्रदेश के कई शहरों की हवा जहरीली कर दी। हालात ऐसे रहे कि प्रदूषित हवा में सांस लेना 10 से 12 सिगरेट पीने जितना नुकसानदायक हो सकता है।

पर्यावरणविद् सुभाष सी पांडे के मुताबिक, एक्यूआई 350 से ज्यादा होने पर 24 घंटे तक ऐसी हवा में सांस लेना 10 से 12 सिगरेट पीने के बराबर है। वहीं, एक्यूआई 400 के पार होने पर इसका असर 25 सिगरेट पीने जितना हो सकता है। पटाखों से निकलने वाले पीएम2.5 के बारीक कण सेहत के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदायक हैं।

पांच घंटे में दोगुना हुआ प्रदूषण: आतिशबाजी के बाद भोपाल के टीटी नगर में रात 10 बजे एक्यूआई 150 था, जो सुबह 3 बजे बढ़कर 314 हो गया। यानी पांच घंटे में प्रदूषण दोगुने से ज्यादा हो गया। ईदगाह हिल्स में एक्यूआई 140 से बढ़कर 263 और सिंगरौली में 122 से बढ़कर 235 पहुंच गया।

सुबह 3 बजे ग्वालियर के दीनदयाल नगर में प्रदेश का सबसे ज्यादा एक्यूआई 363 दर्ज किया गया। वहीं, इंदौर की छोटी ग्वालटोली में एक्यूआई 338, ग्वालियर के महाराज बाड़ा में 337 और जबलपुर के मरहताल में 328 रहा।

9 मॉनिटरिंग स्टेशन वेरी पुअर श्रेणी में पहुंच गए: प्रदूषण के स्तर को समझने के लिए तय श्रेणियों के अनुसार 201 से 300 तक एक्यूआई को पुअर और 301 से 400 तक वेरी पुअर माना जाता है। इस पैमाने पर सुबह 3 बजे प्रदेश के कम से कम 9 मॉनिटरिंग स्टेशन वेरी पुअर श्रेणी में पहुंच गए।

इनमें भोपाल के दो, ग्वालियर के तीन, इंदौर के दो और जबलपुर के दो स्टेशन शामिल हैं। वहीं उज्जैन के महाश्वेता नगर में एक्यूआई 281 दर्ज हुआ, जो पुअर श्रेणी में है।

अब बिना सोइल और ग्राउंड वॉटर टेस्टिंग के नहीं बनेगी हाईराइज बिल्डिंग

भोपाल, नप्र। बहुमंजिला भवनों को मंजूरी देने से पहले जियोटेक्निकल लैब से मिट्टी की भार वहन क्षमता, मिट्टी की संरचना और भूजल स्तर का परीक्षण कराया जाएगा। सोइल स्टेबिलिटी रिपोर्ट (मिट्टी की मजबूती की जांच) रिपोर्ट तैयार करना अनिवार्य होगा।

रिपोर्ट में यदि सब कुछ ठीक रहा तभी साइट क्लीयरेंस कमेटी इसकी मंजूरी देगी। मिट्टी की कठोरता और गहराई के विश्लेषण के आधार पर ही ढांचे का डिजाइन तैयार किया जाएगा, ताकि भूकंप या भारी वजन से इमारत न धंसे।

खतरों से बचाव के लिए नियमों में बदलाव: कमजोर सतह या मिट्टी के कारण होने वाले खतरों को रोकने और भवनों की मजबूती सुनिश्चित करने के लिए मप्र एकीकृत भूमि विकास और भवन प्रोत्साहन नियम, 2026 के प्रारूप में इसके प्रावधान किए गए हैं। नियम में प्रावधान किया है कि किसी भी हाईराइज बिल्डिंग (15 मंजिल से अधिक या 45 मीटर से ऊंचे भवन) को तब तक मंजूरी नहीं दी जा सकती, जब तक कि साइट क्लीयरेंस कमेटी द्वारा स्पष्ट मंजूरी न दे दी जाए।

कमेटी देगी रिपोर्ट: यह कमेटी विशेष रूप से यह जांच करेगी कि प्रस्तावित स्थल हाईराइज भवन के निर्माण के लिए तकनीकी और भौगोलिक रूप से उपयुक्त है या नहीं। कमेटी यह भी देखेगी कि प्रस्तावित निर्माण स्थल किसी फाल्ट लाइन, अत्यधिक जलभराव वाले क्षेत्र, कमजोर ढलान या नदी/नाले के कैचमेंट एरिया के करीब तो नहीं है। बहुमंजिला भवन का भारी वजन आसपास की जमीनों या भूमिगत बुनियादी ढांचे (जैसे मेट्रो टनल, गैस पाइपलाइन या मुख्य सीवर लाइन) की सतह को प्रभावित न करे, इसकी समीक्षा भी यह कमेटी करेगी।

नेशनल बिल्डिंग कोड का पालन होगा अनिवार्य: भवन निर्माण में नेशनल बिल्डिंग कोड (एनबीसी) के मानकों का पालन अनिवार्य किया गया है। एनबीसी में मिट्टी की जांच, जियोटेक्निकल सर्वे और विभिन्न प्रकार की सतहों के लिए विस्तृत मानक दिए गए हैं। इसमें अधिकृत स्ट्रक्चरल इंजीनियर की जवाबदेही भी तय की गई। जांच और अनुमति देने का अधिकार केवल उन्हीं अधिकृत आर्किटेक्ट या स्ट्रक्चरल इंजीनियरों को होगा जिन्हें कम से कम 10 वर्ष का कार्य अनुभव प्राप्त हो। यदि तकनीकी मानकों (जैसे सोइल टेस्टिंग या स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी) की अनदेखी की जाती है या जो गलत जानकारी देता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, उसे ब्लैकलिस्ट किया जाएगा।

दीवाली की रात

देश भर में आग से 23 की मौत

एमपी में 13 की जान गई, महाराष्ट्र में एक ही परिवार के 6 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीवाली की रात देश के कई शहरों में पटाखों और अन्य कारणों से लगी आग में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल और कुछ लापता हैं।

सबसे ज्यादा मौतें मध्य प्रदेश में हुईं, जहां तीन अलग-अलग घरों में आग लगने से 13 लोगों की जान चली गई। वहीं महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में एक मकान में रहने वाले परिवार के छह लोगों की मौत हो गई।

मुंबई के लोखंडवाला में आग लगने की एक अन्य घटना में भी एक व्यक्ति की जान चली गई। इसके अलावा, राजस्थान के पाली में पटाखों की दुकान में आग लगने से 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग लापता हैं।



हादसे में तीन दुकानें और कई दोपहिया वाहन जल गए। वहीं, दिल्ली के नरेला में रॉकेट पटाखा पेट में लगने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में मकान में आग लगने से एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें 3 बच्चे भी शामिल हैं जिनमें से एक 2 महीने का था। वहीं, सिवनी जिले में सराफा व्यापारी के मकान में आग लगने से 6 लोगों की जान चली गई। इनमें एक 16 साल का किशोर भी शामिल है।

यूपी में कबाड़ की दुकान, 25 लाख का नुकसान

उत्तर प्रदेश के बांदा में कबाड़ की दुकान में आग लगने से करीब 20-25 लाख रुपए का नुकसान हुआ। पुणे में आग की 63 घटनाएं हुईं, इनमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जम्मू के नेहरू मार्केट में आग से 12 से ज्यादा दुकानें जल गईं, जबकि नागपुर में टीवीएस शोरूम में आग लगने से कई दोपहिया वाहन जल गए।

मुंबई के डोंगरी में झुग्गियों में आग

मुंबई के डोंगरी इलाके में आग से कई दुकानें और झुग्गियां जल गईं, जबकि दादर के कामगार स्टेडियम में लगी आग पर दमकलकर्मियों ने 17 मिनट में काबू पा लिया। महाराष्ट्र के ठाणे में 17 मंजिला बिल्डिंग में आग लगी। ठाणे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। इसके अलावा असम के जोनाई, पुणे के वडगांव शेरी, मुंबई के विद्याविहार, सिक्किम के गंगटोक में सरकारी आवास और गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके में भी आग लगने की घटनाएं सामने आईं। इन घटनाओं के बाद दमकल विभाग और पुलिस की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं।

पांच साल में डिफेंस एक्सपोर्ट साढ़े 4 गुना हुआ



नई दिल्ली (एजेंसी)। देश ने पिछले 5 साल में रक्षा उत्पादन में एक बड़ी क्रांति दर्ज की है। यह बदलाव सैन्य टेक्नोलॉजी निजी क्षेत्र के साथ साझा करने से हुआ है। सेना के लिए हथियार और साजो-सामान तैयार करने के मामले में अब सरकारी प्रतिष्ठानों के साथ निजी कंपनियों का बड़ा नेटवर्क खड़ा हो गया है। हथियार आयात करने के मामले में शीर्ष 5 देशों में गिने जाने वाले भारत ने इसके दम पर तस्वीर उलट दी है। पहली बार सेनाओं के लिए हथियारों के आयात पर जितनी रकम खर्च हुई, उससे अधिक का रक्षा निर्यात देश ने किया। अखबार ने उच्च स्तरीय और अत्याधुनिक सैन्य टेक्नोलॉजी निजी उद्योगों को देने और उससे हुए बदलाव की पड़ताल की। इसमें सामने आया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) से मिली टेक्नोलॉजी के बल पर निजी कंपनियों का रक्षा निर्यात 5 सालों में 7,271 करोड़ रु. से बढ़कर 17,353 करोड़ रु. हो गया।

नगरीय चुनाव से पहले सड़कों की मरम्मत कराएगी सरकार

भोपाल। प्रदेश में अगले साल होने वाले नगरीय निकाय चुनावों से पहले सरकार शहरी क्षेत्रों की खराब सड़कों को दुरुस्त कराने की तैयारी में है। बारिश के बाद क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने सभी नगर निगमों और नगर पालिका परिषदों को निर्देश जारी किए हैं। निकायों से सड़कों का सर्वे कर मरम्मत के प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है।

विभाग ने इसके लिए काम की समय-सीमा भी तय कर दी है, ताकि आम लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख अभियंता की ओर से जारी निर्देशों के मुताबिक सबसे पहले नगरीय निकायों को खराब सड़कों का सर्वे और मापांकन कराना होगा। इसके आधार पर एक सप्ताह के भीतर मरम्मत कार्य का एस्टीमेट तैयार करना अनिवार्य है। इसके बाद 15 दिनों में नियमानुसार तकनीकी स्वीकृति लेने की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। तकनीकी मंजूरी मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में की पूजा, कहा-गौमाता से जीवन को जोड़ें

गोवर्धन पूजा सनातन संस्कृति के गौरवशाली अतीत की पहचान है



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को उज्जैन में तिलकेश्वर महादेव गौशाला में विधि विधान से गौवर्धन पूजा की व गौ माता को गुड़ रोटी खिलाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली है। इस नगरी का गौरवशाली अतीत है। उन्होंने कहा कि गौवर्धन पूजा सनातन संस्कृति की पहचान है। यह गुरु गोरखनाथ के नाम पर की जाती रही है। सनातन धर्मावलंबी दीपावली का त्यौहार गौधन का पूजन कर मनाते है। समय की आवश्यकता है कि गौमाता की पूजा के साथ प्रत्येक व्यक्ति गौमाता को पाले।

सिंहस्थ के प्रबंधन के लिए समाज का सहयोग आवश्यक है- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन नगर सिंहस्थ में आने वाले 40 करोड़ श्रद्धालुओं के प्रबंधन के लिए तैयार हो रहा है। पूरे शहर में 500 कि.मी. से अधिक सडके बन रही है। तिलकेश्वर महादेव के पास स्थित वाल्मिकी धाम में नया पुलिस थाना भी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि श्रद्धालुओं को सिंहस्थ के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। क्षिप्रा में पवित्र स्नान के लिए नए घाटों का निर्माण करते हुए उन घाटों पर सुगम पहुंच मार्ग की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहर के लोगों को आवाहन किया है कि वे भी अपनी ओर से सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं का खुले मन से स्वागत करें। यहां आने वाला हर एक श्रद्धालु एक अनूठे आतिथ्य सत्कार का अनुभव लेकर लौटे। मुख्यमंत्री ने नगर के लोगों से अपील की है कि वे अपनी खाली जमीन पर टेंट सिंटी, घरों में नए कमरे, होटल व होमस्टे बनाकर अतिथियों को सुविधा उपलब्ध कराए, इससे उन्हें अतिरिक्त आय भी होगी। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज ने भी संबोधित किया। विधायक अनिल जैन कालूहेडा, गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष ओम जैन, महापौर मुकेश टटवाल, यूडीए अध्यक्ष रवि सोलंकी, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती प्राधिकरण के अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, एसपी प्रदीप शर्मा सहित गणमान्य व गौपालक उपस्थित थे।

1930 में आरएसएस पर बैन लगाने की हुई थी कोशिश

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने 1930 के दशक का एक किस्सा सुनाते हुए बताया कि उस समय सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश हुई थी। उन्होंने कहा- उस समय संघ के समर्थन में कोई स्वयंसेवक सामने नहीं आया था। ऐसे में इब्राहिम नाम के एक व्यक्ति ने संघ का पक्ष रखते हुए कहा था कि संघ को बंद नहीं किया जाना चाहिए और क्योंकि वह सांप्रदायिक संगठन नहीं है। भागवत ने बताया कि इब्राहिम का कहना था- जो लोग कहते हैं कि हिंदुस्तान हिंदू राष्ट्र है, उन्हें मेंटल हॉस्पिटल भेज देना चाहिए। मैं डॉ. हेडगेवार को जानता हूं, वह मेंटल नहीं हैं, वह एक अच्छे इंसान हैं।



4 दिन से फरार था, मई में भाजपा सरकार बनने के बाद चौथा एनकाउंटर

बंगाल में भतीजी से रेप-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में 12 साल की भतीजी से रेप-मर्डर के आरोपी दिलीप रॉय की सोमवार सुबह पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, रायगंज के परापुकुर गांव में उसे पकड़ने के लिए छापेमारी की गई थी। इस दौरान आरोपी ने पुलिस पर गोली चलाई, जो पुलिस वैन के टायर में लगी। जवाबी गोलीबारी में वह घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस घटना के बाद से फरार आरोपी की चार दिन से तलाश कर रही थी। राज्य मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि कानून तोड़ने वालों को पुलिस का सामना करना पड़ेगा। राज्य में मई में भाजपा की सरकार बनने के बाद पुलिस मुठभेड़ में किसी आरोपी की मौत का यह चौथा मामला है। परिवार के मुताबिक, बच्ची 3 नवंबर को साइकिल लेकर घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। 5 नवंबर को कुलिक नदी के पास जंगल में उसका शव मिला। परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस के मुताबिक, दिलीप रॉय बच्ची का रिश्तेदार था और उसे नदी दिखाने के बहाने जंगल ले गया था। घटना के बाद वह फरार हो गया था।



बंगाल में 5 महीने में रेप के 2,454 और हत्या के 600 मामले

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनने के बाद 1 मई से 24 सितंबर के बीच रेप के 2,454 मामले दर्ज हुए। यानी औसतन हर दिन करीब 17 मामले सामने आए। इस दौरान हत्या के 600, हत्या की कोशिश के 13,114 और गंभीर चोट पहुंचाने के 32,341 मामले भी दर्ज किए गए। वहीं, क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग करने वाले आरोपी की मौत की छह महीने में यह चौथी घटना है। ये आंकड़े राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के हवाले से आरटीआई के जवाब में सामने आए हैं। आरटीआई आवेदन टीएमसी नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद साकेत गोखले ने दाखिल किया था।

4 आतंकियों की तलाश, लालचौक पर बैनर लगा

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर के लाल चौक इलाके में रविवार सुबह चार वांटेड आतंकियों की जानकारी मांगने वाला बैनर लगाया गया है। यह बैनर प्रताप पार्क की दीवार पर टांगा गया है। इसमें आतंकियों के नाम और तस्वीरें हैं। बैनर में मोहम्मद लतीफ भट की तस्वीर भी शामिल है। वह इस साल जुलाई में अनंतनाग में एक पुलिसकर्मी की हत्या में शामिल था। इसके अलावा बिलाल अहमद मीर, मोहम्मद उमर मीर और आबिद कयूम लोन का नाम भी है। ये तीनों बारामूला जिले के रहने वाले हैं। बैनर पर लिखा है, जो भी इन आतंकियों की आवाजाही या मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय जानकारी दे सकता है, उसकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और अच्छा इनाम दिया जाएगा। **लतीफ पर 15 लाख का ईनाम पहले से-** इससे पहले अगस्त-सितंबर में काउंटर इंटेलीजेंस कश्मीर ने वांछित लश्कर-ए-तैयबा आतंकी लतीफ अहमद भट की गिरफ्तारी के लिए श्रीनगर के विभिन्न इलाकों में पोस्टर लगाए हैं।

कागजों पर निर्देश, जमीन पर नदारद अधिकारी!

वृंदावन गांव दसाई में गौशाला समिति ने किया गोवर्धन पूजन, विभागीय जिम्मेदारों की गैरमौजूदगी ने खड़े किए सवाल

शासन और जिला पशु चिकित्सा विभाग ने जारी किए थे आयोजन के निर्देश, समिति ने अपने स्तर पर पंडित के माध्यम से कराया विधि-विधान से पूजन; अधिकारी बोले- दोपहर 2 बजे होगा कार्यक्रम, गौशाला संचालक ने कहा- हमें समय की जानकारी ही नहीं दी गई



जीवन डोडिया

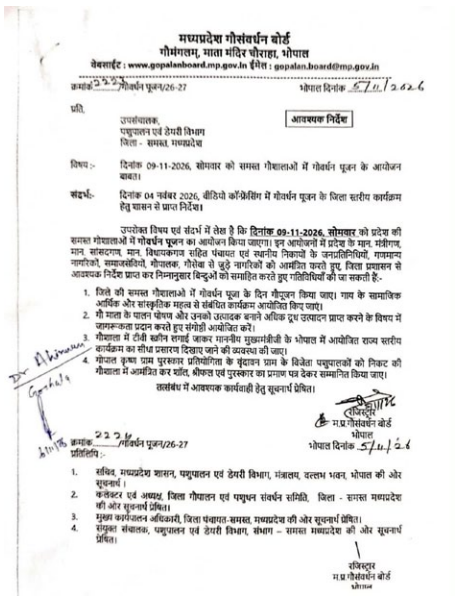
विश्वनाथ समाचार

www.vishwanathsamachar.com

धार। गोवंश संरक्षण और संवर्धन को लेकर शासन स्तर पर बड़े-बड़े निर्देश जारी किए जाते हैं, लेकिन इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर कितना पालन हो रहा है, इसकी तस्वीर वृंदावन गांव दसाई की गौशाला में देखने को मिली। मध्यप्रदेश गोसंवर्धन बोर्ड भोपाल और जिला पशु चिकित्सा विभाग द्वारा गोवर्धन पूजा के आयोजन को लेकर स्पष्ट निर्देश जारी किए जाने के बावजूद दसाई गौशाला में विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी नजर नहीं आई। गौशाला समिति ने अपने स्तर पर धार्मिक परंपरा का निर्वहन करते हुए पंडित के माध्यम से विधि-विधान से गोवर्धन पूजन संपन्न कराया। ऐसे में सवाल उठता है कि जब शासन के निर्देश जारी हो चुके थे, तो उनके पालन की जिम्मेदारी निभाने वाले अधिकारी आयोजन के दौरान कहां थे? दरअसल, मध्यप्रदेश गोसंवर्धन बोर्ड भोपाल द्वारा 9 नवंबर को प्रदेश की समस्त शासकीय एवं अशासकीय गौशालाओं में गोवर्धन पूजा सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में जिला पशु चिकित्सा सेवाएं धार के उपसंचालक ने भी 6 नवंबर को जिले की सभी गौशालाओं के अध्यक्ष एवं सचिवों को पत्र जारी कर आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। निर्देशों में गोपूजन के साथ गोवंश के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर संगोष्ठी, गोपालकों को जागरूक करने तथा गोपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने जैसी गतिविधियां शामिल थीं।

समिति ने निभाई परंपरा, विभागीय अमला नहीं पहुंचा

दसाई स्थित गौशाला में समिति की ओर से गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। पंडित के माध्यम से विधि-विधान से पूजन कराया गया। गौशाला प्रबंधन एवं गौसेवकों ने गोवंश का पूजन कर उनके संरक्षण, संवर्धन और सेवा का संदेश दिया। समिति ने अपने स्तर पर आयोजन की व्यवस्था कर धार्मिक परंपरा का निर्वहन किया, लेकिन इस दौरान प्रशासनिक एवं पशु चिकित्सा विभाग के किसी जिम्मेदार अधिकारी की मौजूदगी दिखाई नहीं दी। जिस आयोजन को शासन स्तर



मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड
गौमंगलम्, माता मंदिर चौराहा, भोपाल
वेबसाईट : www.gopalanboard.mp.gov.in ईमेल : gopalan.board@mp.gov.in

क्रमांक 2223/गोवर्धन पूजन/26-27 भोपाल दिनांक 5/11/2026

प्रति,
उपसंचालक,
पशुपालन एवं डेयरी विभाग
जिला – समस्त, मध्यप्रदेश

आवश्यक निर्देश

विषय :- दिनांक 09-11-2026, सोमवार को समस्त गौशालाओं में गोवर्धन पूजन के आयोजन बाबत।

संदर्भ:- दिनांक 04 नवंबर 2026, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में गोवर्धन पूजन के जिला स्तरीय कार्यक्रम हेतु शासन से प्राप्त निर्देश।

उपरोक्त विषय एवं संदर्भ में लेख है कि दिनांक 09-11-2026, सोमवार को प्रदेश की समस्त गौशालाओं में गोवर्धन पूजन का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजनों में प्रदेश के मान. मंत्रीगण, मान. सांसदगण, मान. विधायकगण सहित पंचायत एवं स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों, गोपालक, गौसेवा से जुड़े नागरिकों को आमंत्रित करते हुए, जिला प्रशासन से आवश्यक निर्देश प्राप्त कर निम्नानुसार बिन्दुओं को समाहित करते हुए गतिविधियों की जा सकती हैं:-

1. जिले की समस्त गौशालाओं में गोवर्धन पूजा के दिन गौपूजन किया जाए। गाय के सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।
2. गौ शाला के पालन पोषण और उनको उत्पादक बनाने अधिक दूध उत्पादन प्राप्त करने के विषय में जागरूकता प्रदान करती हुए संगोष्ठी आयोजित करें।
3. गौशाला में टीवी स्क्रीन लगाई जाकर माननीय मुख्यमंत्रीजी के भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाए जाने की व्यवस्था की जाए।
4. गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार प्रतियोगिता के वृंदावन ग्राम के विजेता पशुपालकों को निकट की गौशाला में आमंत्रित कर शॉल, श्रीफल एवं पुरस्कार का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाए।

तत्संबंध में आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचनार्थ प्रेषित।

(डॉ. [illegible])
सचिव
म.प्र.गौसंवर्धन बोर्ड
भोपाल

क्रमांक 2223/गोवर्धन पूजा/26-27 भोपाल दिनांक 5/11/2026

प्रतिलिपि :-
1. सचिव, मध्यप्रदेश शासन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मंत्रालय, दरत्तभ भवन, भोपाल की ओर सूचनार्थ।
2. कलेक्टर एवं अध्यक्ष, जिला गौपालन एवं पशुधन संवर्धन समिति, जिला - समस्त मध्यप्रदेश की ओर सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत-समस्त, मध्यप्रदेश की ओर सूचनार्थ प्रेषित।
4. संयुक्त संचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, संभाग – समस्त मध्यप्रदेश की ओर सूचनार्थ प्रेषित।

रजिस्ट्रार
म.प्र.गौसंवर्धन बोर्ड
भोपाल

कार्यालय,उप संचालक,पशु चिकित्सा सेवाएं, जिला धार म.प्र

क्रमांक 4035/गौशाला/2026-27 धार,दिनांक 06-11-26

प्रति,
अध्यक्ष/सचिव
गौशाला (समस्त)जिला धार ।

विषयः– दिनांक 09.11.2026 गोवर्धन पूजा दिवस को आपकी गौशालाओं में गोवंश पूजन कार्यक्रम का आयोजन करने बाबद ।

संदर्भः– गोसेवर्धन बोर्ड भोपाल का पत्र क्रमांक 2223/गोवर्धन पूजन/भोपाल,दिनांक 05.11.2026

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि 09 नवम्बर 2026 को प्रदेश के सभी जिलों में समस्त शासकीय एवं अशासकीय गौशालाओं में गोवर्धन पूजा का आयोजन किया जावे । गौसंवर्धन बोर्ड द्वारा भी उक्त दिवस को गोवर्धन पूजा हर्षोल्लास से मनाये जाने के निर्देश दिये गये है,तथा कलेक्टर महोदय,जिला धार द्वारा भी दिनांक 05 नवम्बर 2026 को आयोजित विडियो कांफ्रेसिंग में इस सम्बन्ध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये है। सुलभ संदर्भ हेतु गौसंवर्धन बोर्ड द्वारा जारी पत्र की प्रति संलग्न है ।

गौसंवर्धन बोर्ड द्वारा पत्र जारी कर उक्त आयोजनों में माननीय मंत्रीगण,,माननीय सांसद, माननीय विधायकगण सहित पंचायत एवं स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों,समाजसेवियों, गोपालक तथा गोसेवा से जुड़े हुए नागरिकों को आमंत्रित करते हुए जिला प्रशासन से आवश्यक निर्देश प्राप्त करते हुए विभिन्न गतिविधियों यथा गौपूजन, गायों के सामाजिक,आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व से सम्बन्धित कार्यक्रम आयोजन, गोवंश के पालन पोषण एवं उनको उत्पादक बनाने, अधिक दुग्ध उत्पादन प्राप्त करने के विषय में जागरूकता हेतु संगोष्ठी आयोजन,गौशाला में टीव्ही स्क्रीन लगाई जाकर माननीय मुख्यमंत्री महोदय के भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाये जाने की व्यवस्था, गोपालकृष्ण ग्राम पुरस्कार प्रतियोगिता के वृन्दावन ग्राम के विजेता गोपालकों को निकट की गौशाला में आमंत्रित कर शॉल, श्रीफल एवं पुरस्कार का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाना आदि कार्यक्रम आयोजन हेतु विस्तृत निर्देश दिये है ।

अतः आप दिनांक 09.11.2026 को गौसंवर्धन बोर्ड द्वारा संदर्भित पत्र अनुसार आवश्यक कार्यवाही यथा–गोवर्धन पूजा, गौ ग्रास कार्यक्रम,गोमय व पंचगव्य के द्रव्यादों पर संगोष्ठी/वक्तव्य आदि का आयोजन किये जाने हेतु अपने स्तर से विस्तृत समझाईश देकर कार्यक्रम के सफल आयोजन की रूपरेखा तैयार करें,तथा की गई कार्यवाही से समय–समय पर अधिकारियों को भी अवगत कराना सुनिश्चित करें।

संलग्नः– संदर्भित पत्र ।

उप संचालक
पशु चिकित्सा सेवाएं,जिला धार
धार,दिनांक 06-11-26

क्रमांक 4036/गौशाला/2026–27

प्रतिलिपिः–
1. संचालक,पशुपालन एवं डेयरी विभाग,भोपाल की ओर सूचनार्थ प्रेषित ।
2. कलेक्टर,जिला धार की ओर सूचनार्थ प्रेषित ।
3. संयुक्त संचालक,पशु चिकित्सा सेवाएं,इन्दौर संभाग इन्दौर की ओर सूचनार्थ प्रेषित ।
4. मुख्य कार्यपालन अधिकारी,जिला पंचायत,जिला धार की ओर सूचनार्थ प्रेषित ।
5. अनुविभागीय अधिकारी(राजस्व)समस्त जिला धार की ओर सूचनार्थ प्रेषित ।

... 2 ...

6. विकास खण्ड पशु चिकित्सा अधिकारी,समस्त/जिला धार की ओर भेजकर लेख है कि आप अपने क्षेत्र की गौशाला प्रबंधन से चर्चा कर वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त निर्देशानुसार आप तथा आपके अधीनस्थ सर्व सम्बन्धित पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ जो कि गौशालाओं के नोडल है तथा सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी जो कि उक्त गौशाला के सतत् सम्पर्क में रहकर नियमित सेवाएं देते है उनको अपने समीपस्थ गौशालाओं में उक्त दिवस को उक्तानुसार आयोजित कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित किये जाने हेतु अपने स्तर से निर्देशित करें,तथा गौशाला में आयोजित होने वाले गोवर्धन उत्सव कार्यक्रम में वृन्दावन ग्राम अन्तर्गत आयोजित गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना में प्रतिभागी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले गोपालक को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाकर आवश्यक फोटोग्राफी भी अनिवार्यतः करना सुनिश्चित करें ।

उप संचालक
पशु चिकित्सा सेवाएं,जिला धार

पर विशेष महत्व देते हुए प्रदेशभर की गौशालाओं में आयोजित करने के निर्देश दिए गए थे, उसी आयोजन में विभागीय सहभागिता का अभाव चर्चा का विषय बन गया।

अधिकारी बोले- दोपहर 2 बजे होगा कार्यक्रम, संचालक बोले- हमें सूचना ही नहीं मिली

इस पूरे मामले में विभागीय समन्वय की कमी तब उजागर हुई, जब पत्रकार द्वारा जिला पशु चिकित्सा अधिकारी से फोन पर कार्यक्रम के संबंध में जानकारी ली गई। अधिकारी ने बताया कि दसाई गौशाला में गोवर्धन पूजा का कार्यक्रम दोपहर 2 बजे आयोजित होना है। इसके बाद हमारे संवाददाता ने गौशाला संचालक से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से उन्हें दोपहर 2 बजे कार्यक्रम आयोजित होने की कोई जानकारी नहीं दी गई थी।





न ही किसी अधिकारी ने उन्हें आयोजन के निर्धारित समय या कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया था। एक ओर विभागीय अधिकारी कार्यक्रम का समय निर्धारित होने की बात कह रहे थे, वहीं दूसरी ओर गौशाला संचालक को इसकी जानकारी तक नहीं थी। ऐसे में विभाग और गौशाला समिति के बीच आपसी समन्वय की स्थिति पर सवाल खड़े होना लाजिमी है। यदि कार्यक्रम का समय दोपहर 2 बजे निर्धारित था तो इसकी सूचना संबंधित गौशाला प्रबंधन तक पहुंचाना किसकी जिम्मेदारी थी? क्या केवल कागजों पर निर्देश जारी कर देना ही विभागीय जिम्मेदारी की इतिश्री है?

पहले भी दसाई में आयोजित हो चुका है पशु विभाग का कार्यक्रम

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व पशु चिकित्सा विभाग की ओर से वृंदावन गांव दसाई में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन पशुपालकों का चयन कर उन्हें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर गोपालक के रूप में सम्मानित करने और पुरस्कार देने की घोषणा की गई थी। ऐसे में यह समझ से परे है कि जिस गांव में विभाग पहले पशुपालकों को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित कर चुका है, उसी गांव में गोवर्धन पूजा जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर विभागीय सक्रियता क्यों नजर नहीं आई।

निर्देशों में कई गतिविधियां, धरातल पर आयोजन सीमित

मध्यप्रदेश गोसंवर्धन बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का उद्देश्य केवल प्रतीकात्मक गोपूजन तक सीमित नहीं था। इनमें गोवंश के महत्व पर संगोष्ठी, गोपालकों को जागरूक करना, गोपालन को आर्थिक रूप से प्रोत्साहित करना तथा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने जैसे विषयों को भी शामिल किया गया था। जिला पशु चिकित्सा विभाग ने भी जिले की गौशालाओं में इन गतिविधियों को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद दसाई में विभागीय स्तर पर इन गतिविधियों की प्रभावी मौजूदगी दिखाई नहीं दी।

वृंदावन गांव की पहचान, फिर भी विभागीय उदासीनता क्यों?

दसाई को वृंदावन गांव के रूप में पहचान मिली हुई है और गोवंश संरक्षण की दृष्टि से भी इसका विशेष महत्व है। ऐसे में यहां गोवर्धन पूजा का आयोजन केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि गोसेवा और संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का अवसर भी था। लेकिन अधिकारियों की गैरमौजूदगी और गौशाला प्रबंधन तक कार्यक्रम के समय की सूचना नहीं पहुंचने की बात ने विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सवाल यह है कि शासन के निर्देशों के बावजूद आयोजन को लेकर विभाग और गौशाला समिति के बीच समन्वय क्यों नहीं बन पाया? क्या अधिकारियों ने आयोजन की पूर्व तैयारियों की समीक्षा की थी? और यदि कार्यक्रम दोपहर 2 बजे प्रस्तावित था तो गौशाला संचालक को इसकी सूचना क्यों नहीं दी गई? गोवंश संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर केवल आदेश जारी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी प्रभावी क्रियान्विति भी जरूरी है। दसाई का यह मामला विभागीय जवाबदेही और जमीनी स्तर पर शासन के निर्देशों के पालन की आवश्यकता को उजागर करता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक संदीप परमार द्वारा उदयरत्न ऑफसेट 170/2, दारू गोडाउन के आगे, आगर रोड, उज्जैन से मुद्रित एवं 215, सोमानी नगर, एयरपोर्ट 60 फीट रोड, इंदौर (म.प्र.) 452005 से प्रकाशित।

सनातन दवदी (स्थानीय संपादक)/ उत्कर्ष जैन-(जीवन डोडिया-9926084685) RNI No. MPHIN/25/A4357- (सभी विवादों का क्षेत्र इंदौर रहेगा)- (नोट : पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)-मो. 7000928755 E-mail:- vishwanathsamachar@gmail.com